दैनिक नवज्योति | सिटी light
www.dainiknavajyoti.co
सच्चा हमसफर

सीएस फाउंडेशन का रिजल्ट घोषित, कोटा में बेटियों ने मारी बाजी

सीएस में अखिल भारतीय स्तर पर कनुप्रिया व कविता ने हासिल की 23वीं रैंक

नवज्योति/कोटा

द इंस्टीट्यूट कंपनी सेक्रेटीज ऑफ इंडिया ने बुधवार को सीएस फाउंडेशन का रिजल्ट जारी कर दिया। कोटा केन्द्र से परीक्षा में शामिल 80 छात्रों में से 46 छात्र उर्तीण हुए।परिणाम 58 प्रतिशत रहा। कोटा से दो छात्राओं ने आल इंडिया रैंकिंग में 23 वें स्थान पर पर जगह बनाई। वहीं जिले में टॉप थ्री में भी छात्राओं ने कब्जा किया। प्रथम स्थान पर दो छात्राएं कनुप्रिया गोयल व कविता मीणा ने हासिल किया। दूसरे स्थान पर कृतिका सिंघल व चौथे स्थान पर राहुल सरकार रहे।इस अवसर पर कोटा चैप्टर आफ आइसीएसआई के चेयरमैन विनय कुमार मिश्रा और चैप्टर इंचार्ज राजू कुमार ने सफल छात्रों को बधाई दी। वहीं टापर्स के परिवार में खुशी का माहौल रहा और सभी रिश्तेदार और साथियों ने बधाइयां दी।

ऑल इंडिया रैंक 23 हासिल करने वाली छात्राएं कनुप्रिया व कविता।

लक्ष्य तय किया और मिली सफलता

नाम-कनुप्रिया गोयल
आल इंडिया रैंकिंग-23
कोटा चैप्टर रैंक- 1
पिता का नाम-चेतन कुमार गोयल
माता का नाम- पदमा गोयल

कनुप्रिया ने बताया कि मैंने अपनी पूरी तैयारी की थी और मुझे विश्वास था कि मेरी रैंक आएगी। मैंने अपना लक्ष्य तय कर रखा था और उस पर चलती रही। इसके लिए मैं रोजाना 10 से 12 घंटे पढाई करती थी। कभी पढाई को लेकर टेंशन नही की ऐसे में मेरे पापा-मम्मी ने हमेशा मेरा साथ दिया। मेरे बड़े भाई से मुझे मार्गदर्शन मिला है। वह सीएस एक्जीक्यूटिव की तैयारी कर रहे हैं। मेरी इस सफलता में मेरे माता-पिता व टीचर्स का सहयोग रहा है।

मां ने जेवर गिरवी रखे तो पिता ने दिया पढाई में साथ

नाम-कविता मीणा
आल इंडिया रैंकिंग-23
कोटा चैप्टर रैंक- 1
पिता का नाम-देवकरण मीणा
माता का नाम-रामविलास बाई

कविता ने बताया कि मैं कीतलहेड़ा गांव से हूं और दो साल से कोटा में रहकर पढाई कर रही हूं। मां ने अपने जेवर गिरवी रखकर मुझे पढ़ने भेजा और इसमें मेरे पिता ने पूरा सहयोग किया। गांव में अभी भी लोग बेटियों को पढाने को लेकर जागरुक नही है। ऐसे में कई विपरित परिस्थितियों में मेरे पिता ने मेरा साथ दिया और आगे पढने के लिए मेरा मनोबल बढाया। मेरी सफलता सिर्फ मेरी ही नही मेरे माता-पिता की है। जिनकी वजह से यह सफलता मिली। जिस स्थिति में पढने आई थी तभी निश्चय कर लिया था कि ऑल इंडिया रैंक हासिल करनी है। इसके लिए खूब मेहनत भी की। नियमित 8-10 घंटे पढाई की।

मेहनत से मिली सफलता

नाम-राहुल सरकार
कोटा चैप्टर रैंक- 3
पिता का नाम-रतन सरकार
माता का नाम-अर्चना सरकार

राहुल ने बताया कि सीएस फाउण्डेशन एग्जाम में कोटा चैप्टर से तीसरी रैंक हासिल होगी ऐसा मैंने नही सोचा था। क्योंकि घर की आर्थिक स्थिति ठीक नही थी इसलिए पिता के साथ मैस पर काम करता था और अधिकांश समय वहीं गुजरता था बाकि जो समय होता था उसमें कोचिंग व सेल्फ स्टड़ी करता था। पढाई करना अच्छा लगता था तो माता-पिता ने भी मेरा पूरा साथ दिया। जब, जहां, जिस भी चीज की जरूरत होती थी तो वह मुझे उपलब्ध करवाते थे। राहुल अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व टीचर्स को देते हैं। राहुल ने बताया कि वह सीएस के बाद खुद की कंपनी खोलना चाहता था।

पृष्ठ 22 ■ मूल्य 4.50 ■ कोटा ■ गुरुवार . 6 जुलाई . 2017 ■ आषाढ़ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी संवत् 2074 rajasthanpatrika.com

राजस्थान पत्रिका

जीएसटी के बाद

आयकर विभाग ने आधार को पैन से जोड़ने के लिए फार्म जारी किया है

ऑनलाइन और एसएमएस के जरिए भी आधार संख्या को पैन से जोड़ा जा सकता है।

एक जुलाई से अनिवार्य पैन-आधार लिंक करना

115 करोड़ लोगों के बन चुके हैं आधार कार्ड

25 करोड़ लोगों को आवंटित किए जा चुके हैं पैन कार्ड

6.44 करोड़ लोगों ने ऑनलाइन रिटर्न भरने के लिए किया है रजिस्टर

हाल में आई तेजी

आधार और पैन को लिंक करने की सरकार की घोषणा के बाद तेजी आई है इस काम में

इन लोगों को है लिंक करने से छूट

- एनआरआई, भारत आए मेहमान
- 80 साल से ज्यादा आयु के बुजुर्ग
- असम, मेघालय, जम्मू-कश्मीर के निवासी

हालांकि यह छूट आधार कार्ड न बनने तक है।

अफवाह यह है कि...

3 साल तक आधार इस्तेमाल न करने पर इसके निष्क्रिय होने की खबरों को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने खारिज किया है।

फाउंडेशन में कोटा चैप्टर का रिजल्ट रहा 58 प्रतिशत

सीएस में भी मेड इन कोटा का परचम, ऑल इंडिया 23वीं रैंक पर दो छात्राएं

पत्रिका सोशल प्राइड

कोटा . द इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सैकेट्रीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) ने फाउंडेशन परीक्षा का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया। कोटा चैप्टर से 80 स्टूडेंट्स ने यह परीक्षा दी। जिसमें 46 स्टूडेंट्स को सफलता मिली यानी रिजल्ट रहा 58 फीसदी। कोटा चैप्टर चेयरमैन विनय मिश्रा ने बताया, दो छात्राओं कनुप्रिया गोयल एवं कविता मीणा ने संयुक्त रूप से ऑल इंडिया 23वीं रैंक एवं कोटा से पहली रैंक प्राप्त की है। पढ़ें सीएस @ पेज 16

मां के जेवर गिरवी रख पढ़ने भेजा

बेटी बेटे से कम नहीं होती। उसे भी पढ़ने और आगे बढ़ने का पूरा हक है। ऐसी ही मिसाल है कविता मीणा। सीएस फाउण्डेशन में ऑल इंडिया 23वीं एवं कोटा चैप्टर में पहली रैंक प्राप्त करने वाली कविता कीतलहेड़ा गांव निवासी है। गांव में लड़कियों के मामले में सोच पिछड़ी हुई थी, लेकिन कविता के परिजनों ने उसका साथ दिया। पिता देवकरण मीणा खेती करते हैं। घर में छह सदस्य है। माता-पिता के अलावा तीन बहनें और एक भाई है। जिनमें कविता सबसे बड़ी है। आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी। कविता में पढ़ाई का जज्बा देख पिता ने मां रामविलास बाई के जेवर आदि गिरवी रख बेटी को पढ़ने भेजा। कविता ने बताया गांव का माहौल

सही नहीं होने के बावजूद पापा ने मेरा साथ दिया। सीएस बनने के बाद सबसे पहले जो पापा ने मेरे लिए किया, वो मैं उनको रिटर्न करना चाहती हूं। दोनों बहनों और भाई को अच्छा पढ़ाउंगी। मैंने कभी पढ़ाई करते समय रटने के बजाए सब्जेक्ट्स के टॉपिक्स को समझा। एक बार कंसेप्ट क्लियर हो गया तो जिंदगी भर आपको याद रहता है।

नीट के स्ट्रेस से उबरकर हासिल की सफलता

मेडिकल की तैयारी के लिए देश के कोने-कोने से स्टूडेंट्स कोटा आते है। शायद ही कोई ऐसा विद्यार्थी होगा जो साल भर कड़ी मेहनत करने के बाद सलेक्ट हो जाए और फिर मेडिकल की पढ़ाई करने से मन बदल दे, लेकिन ऐसा ही कुछ हुआ दादाबाड़ी विस्तार निवासी कृतिका सिंघल के साथ। उसने नीट में सलेक्शन के बाद एमबीबीएस करने का इरादा बदल दिया और कॉमर्स फील्ड को चुना। सीएस की तैयारी की और फाउण्डेशन में कोटा चैप्टर से दूसरी रैंक प्राप्त की। पिता गजानंद सिंघल प्रोपर्टी डीलर एवं मां उमा गृहिणी है। कृतिका का नीट 2016 में सलेक्शन हो गया था, लेकिन उसे सरकारी कॉलेज की जगह प्राइवेट

कॉलेज में एडमिशन मिल रहा था। कृतिका सरकारी कॉलेज से एमबीबीएस करना चाहती थी। उसने बताया कि जनरल कैटेगरी में होने का नुकसान उसे उठाना पड़ा। यह मेरे लिए काफी तनाव भरा था, लेकिन परिजनों एवं दोस्तों के सपोर्ट से मैं तनाव से बाहर निकली।

मैस वाला राहुल रोज बांटने जाता था टिफिन

घर की आर्थिक स्थिति सही नहीं थी, लेकिन माता-पिता ने पढ़ाई के लिए हमेशा प्रेरित किया। पिता रतन सरकार हार्डवेयर की दुकान पर काम करते थे। जहां बमुश्किल 8 से 9 हजार रुपए कमा पाते थे। उनकी कमाई से परिवार का पालन पोषण और बच्चों की पढ़ाई संभव नहीं थी तो मां अर्चना सरकार ने पति का साथ निभाया और घर ही मैस शुरू किया। बड़ा बेटा राहुल सीएस फाउंडेशन एग्जाम की तैयारी कर रहा था, लेकिन उसने मैस संचालन में मां की मदद की। प्रतिदिन मंडी से सब्जी लाना... सुबह-शाम करीब 60 टिफिन स्टूडेंट्स के घर डिलीवर करता था, लेकिन पढ़ाई पर इनका असर नहीं पड़ने दिया। राहुल ने

कड़ी मेहनत की बदौलत सीएस फाउण्डेशन एग्जाम क्रेक किया और कोटा चैप्टर से तीसरी रैंक प्राप्त की। राहुल ने बताया, मैंने कभी एग्जाम का स्ट्रेस नहीं लिया। शांत दिमाग से पढ़ाई की। मैंने प्रतिदिन दो से ढाई घंटे सेल्फ स्टडी और चार घंटे कोचिंग की। राहुल सीएस करने के बाद खुद की ऑटोमोबाइल कंपनी खोलना चाहता है।

कोटा की दो बेटियों को सीएस फाउंडेशन में 23वीं रैंक; एक ने परीक्षा के लिए छोड़ा डांस, तो दूसरी ने रोज 4 घंटे की पढ़ाई में हासिल की सफलता

कोटा सेंटर से 46 स्टूडेंट्स ने क्लियर किया फाउंडेशन का एग्जाम, 58 प्रतिशत रहा रिजल्ट

एजुकेशन रिपोर्टर | कोटा

इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया ने बुधवार को सीएस फाउंडेशन का रिजल्ट जारी कर दिया है। कोटा चैप्टर से परीक्षा देने वाले 80 में से 46 स्टूडेंट्स ने एग्जाम क्लियर किया है। इंजीनियरिंग और मेडिकल की परीक्षा में दबदबा रखने वाले कोटा शहर अब कॉमर्स में अच्छे रिजल्ट दे रहा है। इस साल भी दो ऑल इंडिया रैंक आई है। कनुप्रिया गोयल और कविता मीणा ने 320-320 अंक हासिल करने के लिए देश में 23वां स्थान हासिल किया है। दोनों ही स्टूडेंट्स की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं है। एग्जाम क्लियर करने वाले स्टूडेंट्स को कोटा चैप्टर के चेयरमैन विनय कुमार मिश्रा और इंचार्ज राजू कुमार ने शुभकामनाएं दी हैं। कोटा चैप्टर की दूसरी रैंक 310 अंकों के साथ कार्तिका सिंघल और तीसरी रैंक 300 नंबरों पर राहुल सरकार की आई है।

किसान की बेटी ने भी क्लियर किया फाउंडेशन

संयुक्त रूप से ऑल इंडिया 23वीं रैंक हासिल करने वाली कविता मीणा के पिता देवकरण मीणा खेती करते हैं और माता रामप्यारी गृहिणी हैं। कविता सीएस के बाद पहले किसी कंपनी जॉब करने के बाद प्रैक्टिस करना चाहती है। उन्होंने चार से पांच घंटे पढ़ाई की। कविता ने बताया कि उनका थ्योरी पार्ट हमेशा से मजबूत रहा है। इसी कारण से उन्होंने सीए की जगह सीएस को चुना। घर के आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए आगे चलकर वह और भी ऊंचाइयों पर पहुंचना चाहती हैं। पढ़ने में ही उनकी अधिक रुचि है। कविता ने दसवीं में 8.6 सीजीपीए और 12वीं में 75 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।

तंगी के बाद भी नहीं रुकी पढ़ाई

बारां के भंवरगढ़ में रहने वाली कनुप्रिया गोयल ने कोटा में एक साल रहकर फाउंडेशन की पढ़ाई करके एग्जाम क्लियर किया। उन्होंने ऑल इंडिया 23वीं रैंक हासिल की है। पिता चेतन कुमार का गांव में छोटा व्यवसाय है। मां पद्मा गोयल गृहिणी हैं। 10वीं बोर्ड में 75 प्रतिशत अंक हासिल करने के बाद कनुप्रिया ने कॉमर्स विषय लिया। उन्होंने 12 से 14 घंटे तक पढ़ाई की। आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने के बावजूद परिजनों ने पढ़ाई से कभी भी समझौता नहीं करने दिया। तलवंडी में कमरा लेकर पढ़ाई की। वे भविष्य में किसी एमएनसी से जुड़कर जॉब करना चाहती है। वे केवल सीएस पर ही फोकस कर रही हैं। पढ़ाई के कारण उन्होंने डांस की हॉबी को बंद कर दिया। अब वह अगले चरण की तैयारियों में जुट गई है।

टिफिन पहुंचाने काम किया और अब सीएस की अगले चरण में

कोटा के राहुल सरकार ने कोचिंग स्टूडेंट्स को टिफिन पहुंचाने का काम करते करते भी सीएस फाउंडेशन का एग्जाम क्लियर कर लिया। पिता रतन सरकार हार्डवेयर की दुकान में वर्कर हैं और मां अर्चना सरकार घर पर ही मैस चलाती हैं। मां का हाथ बंटाने के लिए राहुल ने टिफिन पहुंचाने की जिम्मेदारी अपने ही कंधों पर उठा ली। टिफिन देने का काम करीब एक बजे तक पूरा हो जाता था। इसके बाद वह समय निकालकर पढ़ लेते थे। उनका लक्ष्य सीएस के साथ एलएलबी करना है।